आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 04.10.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंतनगर विश्वविद्यालय में 116वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।
- प्रदेश के सभी जिलों में खेल महाकुंभ शुरू। न्याय पंचायत के बाद ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।
- केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने अल्मोड़ा छावनी क्षेत्र के डियोली डांडा में एडवेंचर पार्क का लोकार्पण किया।
- औली में भारत और कजाकिस्तान का संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी, आतंकवाद विरोधी अभियानों पर विशेष जोर।

पंतनगर किसान मेला

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय "उन्नत कृषि–समृद्ध किसान" के संकल्प को साकार करने के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई फसलों, सब्जियों और फलों की विभिन्न प्रजातियां और अनेक उन्नत कृषि तकनीकें ना सिर्फ उत्तराखंड, बल्कि पूरे देश के किसानों को फायदा पहुंचा रही हैं। श्री धामी आज गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में आज 116वां अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और हरेला उद्यान का वर्चुअल शुभारम्भ भी किया। श्री धामी ने कहा कि इस प्रकार के किसान मेलों से कृषकों को उन्नत बीज, पौध, कृषि यंत्र और जैविक खाद सहित कृषि से जुड़ी सभी आवश्यक वस्तुएं एक ही स्थान पर मिल जाती हैं।

श्री धामी ने कहा कि किसान सम्मान निधि की योजना के जरिए आज उत्तराखंड के लगभग 8 लाख से अधिक किसानों को आर्थिक संबल मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि किसान मेला निश्चित रूप से किसानों के उत्थान में अहम योगदान देगा।

खेल महाकुंभ

खेल मंत्री रेखा आर्य ने आज अल्मोड़ा के हेमवती नंदन बहुगुणा खेल स्टेडियम में प्रदेश के सभी जिलों के लिए खेल महाकुंभ–2024 का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर श्रीमती आर्य ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्राम पंचायत से राज्य स्तर तक होगा। न्याय पंचायत के बाद ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर खेल प्रतियोगिता खेली जायेगी। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ के माध्यम से बच्चों को अपना भविष्य बनाने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। श्रीमती आर्य ने कहा कि पिछले वर्ष खेल महाकुम्भ में जो बच्चे सफल रहे हैं, भविष्य में उन्हें खेल कोटे से 4 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रयास किया जाएगा।

खेल महाकुंभ में एथलेटिक्स, कबड्डी, खो–खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल, और बैडमिंटन, सहित कई अन्य खेलों में खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो

राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी ने भारतीय मानक ब्यूरो को विकसित भारत के लक्ष्य की महत्वपूर्ण कड़ी बताया है। विश्व मानक दिवस श्रृंखला के तहत आज हरिद्वार में आयोजित मानक महोत्सव कार्यक्रम में डॉ. कल्पना सैनी ने राष्ट्र निर्माण में भारतीय मानक ब्यूरो– बीआईएस की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सभी को कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहिए। इसमें विशेष रूप से पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखना होगा। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो, देहरादून शाखा के निदेशक व प्रमुख सौरभ तिवारी ने विश्व मानक दिवस की इस बार की थीम एसडीजी–9 उद्योग नवाचार व अवसंरचना के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीआईएस ने उत्तराखंड में नई लैब बनाने का भी प्रस्ताव रखा है। उन्होंने सभी से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार अपने उत्पाद तैयार करने पर बल दिया। कार्यक्रम में मानक संवर्धन में बेहतर कार्य करने वाले मेंटर, उद्योग, ज्वेलर्स, रिसोर्स पर्सन आदि को सम्मानित किया गया।

अजय टम्टा

केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने अल्मोड़ा छावनी क्षेत्र के अंतर्गत डियोली डांडा में आज एडवेंचर पार्क का लोकार्पण किया। इस अवसर पर श्री टम्टा ने कहा कि इस पार्क के बन जाने से बच्चों और आम नागरिकों को लाभ मिलने के साथ ही क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

छावनी परिषद अल्मोड़ा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वरुण कुमार ने बताया कि पार्क में एडवेंचर से जुड़ी सभी सुविधाएं हैं। एडवेंचर पार्क में आने वाले लोगों के लिए रात्रि में रहने के लिए 7 कैंपिंग टैंट लगाए गए हैं, जिसकी संख्या धीरे–धीरे बढ़ाई जाएगी। गौरतलब है कि डियोली डांडा अल्मोड़ा का पहला

एडवैंचर पार्क है, जो विशेष सुविधाओं से युक्त है। छावनी परिषद और पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 45 लाख रुपए की लागत से पार्क का निर्माण किया गया है। पार्क में रात्रि में रुकने के लिए कैंपिंग टैंट लगाए गए हैं, माउंटेनियरिंग, रॉक क्लाइबिंग, आर्चरी, ज़िप लाइन, एटीवी बाइक की व्यवस्था की गई है।

सैन्य अभियास

चमोली जिले के औली में इन दिनों भारत और कजाकिस्तान का संयुक्त सैन्य अभ्यास–काज़िंद का आठवां संस्करण चल रहा है। आतंकवाद विरोधी अभियानों पर विशेष जोर देने के साथ ही भारत और कज़ाकिस्तान सैन्य बलों के बीच अंतर संचालनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभ्यास 30 सितंबर को शुरू हुआ था। 120 कर्मियों वाला भारतीय सैन्य दल का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से कुमाऊं रेजिमेंट की एक बटालियन और भारतीय वायु सेना के साथ सहायक सेवाओं के कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। दोनो देशों की सेनाओं की टुकड़ियों ने अब तक योग, आर्मी मार्शल आर्ट रूटीन, रॉक क्राफ्ट ट्रेनिंग और स्पेशल हेलिबोर्न ऑपरेशन में भाग लिया है। भारतीय सैनिकों ने कजाकिस्तान दल के सामने आर्मी मार्शल आर्ट रूटीन में अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें हाथों–हाथ मुकाबला करने की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। रॉक क्राफ्ट प्रशिक्षण में सैनिकों को ऊबड़–खाबड़, पहाड़ी इलाकों में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया गया, जिससे आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान कठिन वातावरण में संचालन करने की उनकी क्षमता में वृद्धि हुई।

डायलिसिस मशीन

गंगोत्री विधायक सुरेश सिंह चौहान ने आज जिला अस्पताल उत्तरकाशी में डायलिसिस भवन और 4 नई डायलिसिस मशीनों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ये मशीनें उन गरीब परिवारों के लिए बहुत जरूरी थीं, जो अपने ईलाज़ का खर्चा नहीं उठा पाते थे और उन्हें देहरादून तथा ऋषिकेश जाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि डायलिसिस मशीनों की सुविधा होने से डायलिसिस मरीजों को अपने नजदीकी अस्पताल में ही इलाज मिलेगा।

प्रशिक्षण कार्यशाला

चमोली जिला पंचायत सभागार में सुरक्षित आहार परोसने विषय पर आज स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। उत्तराखंड खाद्य सुरक्षा विभाग और भारतीय राष्ट्रीय स्ट्रीट वेंडर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यशाला में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं और खाद्य व्यवसायियों को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता की जानकारी दी गई। विक्रेताओं को निजी स्वच्छता, साफ कपड़े, साफ एप्रन और बालों को ढक कर भोजन बनाने के बारे में प्रेरित किया गया। इसके अलावा कार्यस्थल की साफ–सफाई,

गुणवत्तापरक सामग्री का इस्तेमाल, भोजन में रंग या अन्य मिलावट न करने, अखबार में भोजन न परोसने के साथ पकवान बनाने और कचरा निस्तारण के लिए ढके हुए डस्टबिन का इस्तेमाल करने के बारे में बताया गया। इस अवसर पर सभी विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा किट जिसमें एप्रन, कैप, ग्लव्स, तौलिया और डस्टर दिए गए। प्रशिक्षण के बाद एफएसएसएआई द्वारा फॉस्टैक सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। कार्यशाला में 150 फूड विक्रेताओं ने हिस्सा लिया।